सहज स्वराज दि०-05-02-2025

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर में कार्यक्रम का शुभारम्भ

(सहज स्वराज्य संवाददाता)

प्रयागराज।पहिये के आविष्कार के साथ ही दुनिया भी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने लगी इस रफ्तार को नई दिशा सितम्बर 1825 में दुनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में 16 अप्रैल 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षों बाद 3 फरवरी 1925 में भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कुर्ला, मुम्बई तक बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल 2025 भारत में रेल विद्युतीकरण के 100 साल पूरे होने के साथ, भारत अपने ब्राड गेज नेटवर्क के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही एतिहासिक है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है।

'60 के दशक में तेल संकट के दौरान कई विद्युतीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 1961 में एक संगठन के रूप में रेल विद्युतीकरण की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विद्युतीकरण करना था। शुरू में कोलकाता में स्थित इकाई को रेल विद्युतीकरण के लिए परियोजना कार्यालय (ईटी) कहा जाता था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण हेतु इलाहाबाद में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन का कार्यालय वर्ष 1979 में स्थापित किया गया था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, नए परियोजना कार्यालय भी स्थापित किए गए। अपनी स्थापना के बाद से 46 वर्षों में भारतीय रेल के तेजी से विद्युतीकरण के साथ, कोर ने इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कुल 48,029 रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण कार्य को किया है; जो कुल विद्युतीकरण कार्य का 76% प्रतिनिधित्व करता है। पिछले 10 वर्षों में, कोर ने विद्युतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और अकेले ही 26,441 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य करके भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 03 फरवरी 2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम कोर मुख्यालय में

बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। रेल विद्युत कर्षण के 100 वर्षों के उत्सव प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये, पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे वितरित किए, आकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोली बनाई गई, जिसमें रेल विद्युत कर्षण की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया, 100 वर्ष के प्रतीक चिह्न के साथ बल्ब, डायरी और जूट बैग का वितरण सभी कोर परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप प्रदान किया गया, जो इस ऐतिहासिक उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिह्नित करने और रेल के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।महाप्रबंधक महोदय ने अपने संदेश में कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के 100 वर्ष पूरे होना भारतीय रेल और कोर के लिए गर्व का क्षण है। इस उल्लेखनीय यात्रा ने रेल परिवहन को बदल दिया है। कोर ने रेल विद्युतीकरण में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विशेष अवसर पर, मैं उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिनके समर्पण ने इस मील के पत्थर को सभव बनाया है। आइए हम पूर्ण विद्युतीकरण और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें, जिससे भारतीय रेल को शुद्ध-शून्य कार्बन भविष्य की ओर ले जाया जा सके।

समारोह में कोर के महाप्रबंधक के साथ-साथ सम्मानित अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन (रीवो) की अध्यक्षा श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव व अन्य रीवो सदस्यायें भी उपस्थित थीं।

"न्यायाधीश" दि० 05-02-2025

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर में कार्यक्रम का शुभारम्भ

प्रयागराज। पहिये के आविष्कार के साथ ही दुनिया भी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने लगी इस रफ्तार को नई दिशा सितम्बर 1825 में दुनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में 16 अप्रैल 1853 को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब 72 वर्षों बाद 3 फरवरी 1925 में भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कुर्ला, मुम्बई तक बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल 2025 भारत में रेल विद्युतीकरण के 100 साल पूरे होने के साथ, भारत अपने ब्राड गेज नेटवर्क के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही एतिहासिक है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है। 20 के दशक में तेल संकट के दौरान कई विद्युतीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 1961 में एक संगठन के रूप में रेल विद्युतीकरण की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विद्युतीकरण करना था। शुरू में कोलकाता में स्थित इकाई को रेल विद्युतीकरण के लिए परियोजना कार्यालय (PORE) कहा जाता था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण हेतु इलाहाबाद में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन का कार्यालय वर्ष 1979 में स्थापित किया गया था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, नए परियोजना कार्यालय भी स्थापित किए गए। अपनी स्थापना के बाद से 46 वर्षों में भारतीय रेल के तेजी से विद्युतीकरण के साथ, कोर ने इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कुल 48,029 रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण कार्य को किया है, जो कुल विद्युतीकरण कार्य का 76इ प्रतिनिधित्व करता है। पिछले 10 वर्षों में, कोर ने विद्युतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और अकेले ही 26,441 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य करके भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 03 फरवरी 2025 को संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम कोर मुख्यालय में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। रेल विद्युत कर्षण के 100 वर्षों के उत्सव प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये, पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे वितरित किए, आकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोली बनाई गई, जिसमें रेल विद्युत कर्षण की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया, 100 वर्ष के प्रतीक चिह्न के साथ कप, डायरी और जूट बैग का वितरण सभी कोर परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप प्रदान किया गया, जो इस ऐतिहासिक उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिह्नित करने और रेल के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। महाप्रबंधक ने अपने संदेश में कहा कि 'इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के 100 वर्ष पूरे होना भारतीय रेल और कोर के लिए गर्व का क्षण है। इस उल्लेखनीय यात्रा ने रेल परिवहन को बदल दिया है। कोर ने रेल विद्युतीकरण में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विशेष अवसर पर, मैं उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिनके समर्पण ने इस मील के पत्थर को संभव बनाया है। आइए हम पूर्ण विद्युतीकरण और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें, जिससे भारतीय रेल को शुद्ध-शून्य कार्बन भविष्य की ओर ले जाया जा सके।' समारोह में कोर के महाप्रबंधक के साथ-साथ सम्मानित अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन (रीवो) की अध्यक्षा वन्दना श्रीवास्तव व अन्य रीवो सदस्यायें भी उपस्थित थीं।

आज - दि० 05-02-2025

कोरमें रेल विद्युतीकरणके शताब्दी समारोहकी धूम, बांटे पौधे

जीएम ने की शुरुआत, आकाश में छोड़े गये गुब्बारे

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन(कोर) विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को महाप्रबंधक कोर संजय कुमार श्रीवास्तव ने किया। यह

कार्यक्रम कोर मुख्यालय में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। रेल विद्युत कर्षण के १०० वर्षों के उत्सव प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये। पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधे वितरित किये गये। आकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोली बनाई गयी। जिसमें रेल विद्युत कर्षण की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाया गया। १०० वर्ष के प्रतीक चिह्न के साथ कप, डायरी और जूट बैग का वितरण सभी कोर परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह के स्वरूप प्रदान किया गया, जो इस ऐतिहासिक उपलब्धि की यादगार है। यह आयोजन रेल विद्युत कर्षण की शताब्दी को चिह्नित करने और रेल के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। महाप्रबंधक ने अपने संदेश में कहा कि 'इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के १०० वर्ष पूरे होना भारतीय रेल और कोर के लिए गर्व का क्षण है। इस उल्लेखनीय यात्रा ने रेल परिवहन को बदल दिया है। कोर ने रेल विद्युतीकरण में तेजी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसने हरित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विशेष अवसर पर मैं उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिनके समर्पण ने इस मील के पत्थर को संभव बनाया है। आइए हम पूर्ण विद्युतीकरण और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखें, जिससे भारतीय रेल को शुद्ध-शून्य कार्बन भविष्य की ओर ले जाया जा सके। समारोह में कोर के महाप्रबंधक के साथ-साथ सम्मानित अधिकारी, कर्मचारी सदस्य और रेल विद्युतीकरण महिला कल्याण संगठन (रीवो) की अध्यक्षा श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव एवं अन्य रीवो सदस्यायें भी उपस्थित रहीं।

तीन फरवरी १९२५ को पहली इलेक्ट्रिक ट्रेन चलाकर स्थापित किया था नया कीर्तिमान

पहिये के आविष्कार के साथ ही दुनिया भी प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने लगी। इस रफ्तार को नई दिशा सितम्बर १८२५ में दुनिया की पहली ट्रेन चला कर मिली। इसी क्रम में १६ अप्रैल १८५३ को वह दिन भी आया जब भारत में पहली बार ट्रेन चलाई गई। इसके करीब ७२ वर्षों बाद ३ फरवरी १९२५ में भारतीय रेल ने एक और अध्याय जोड़ते हुए पहली बार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कुर्ला मुम्बई तक बिजली से चलने वाली ट्रेन चलाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब साल २०२५ भारत में रेल विद्युतीकरण के १०० साल पूरे होने के साथ, भारत अपने ब्राड गेज नेटवर्क के १०० प्रतिशत विद्युतीकरण के कगार पर है जो भारतीय रेल की उपलब्धियों में एक मील का पत्थर है। यह उपलब्धि भारत में पहली रेल यात्रा के समान ही एतिहासिक है तथा भारतीय रेल के विद्युतीकरण में एक सदी की प्रगति का प्रतीक है। ६० के दशक में तेल संकट के दौरान कई विद्युतीकरण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी, जिसके परिणामस्वरूप १९६१ में एक संघटन के रूप में रेल विद्युतीकरण की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल की पटरियों का विद्युतीकरण करना था। शुरू में कोलकाता में स्थित इकाई को रेल विद्युतीकरण के लिए परियोजना कार्यालय ,कहा जाता था, इन परियोजनाओं के नियंत्रण हेतु इलाहाबाद में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन का कार्यालय वर्ष १९७९ में स्थापित किया गया था। जैसे-जैसे अधिक से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, नए परियोजना कार्यालय भी स्थापित किए गए। अपनी स्थापना के बाद से ४६ वर्षों में भारतीय रेल के तेजी से विद्युतीकरण के साथ, कोर ने इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और कुल ४८,०२९ रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण कार्य को किया है, जो कुल विद्युतीकरण कार्य का ७६ फीसदी प्रतिनिधित्व करता है। पिछले १० वर्षों में, कोर ने विद्युतीकरण में अभूतपूर्व गति दिखाई है और अकेले ही २६,४४१ रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण कार्य करके भारतीय रेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जीवन एक्सप्रेस 05-02-2025

Programme launched at CORE on Centenary Year of Rail Electrification

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: With the invention of the wheel, the world also started moving rapidly in the direction of progress. This speed got a new direction by running the world's first train in September 1825. In this sequence, the day also came on 16 April 1853 when the first train was run in India. About 72 years later, on 3 February 1925, Indian Railways added another chapter and set a new record by running an electric train for the first time from Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus to Kurla, Mumbai. Now in the year 2025, with the completion of 100 years of rail electrification in India, India is on the verge of 100 percent electrification of its broad gauge network which is a milestone in the achievements of Indian Railways. This achievement is as historic as the first train journey in India and is a symbol of a century's progress in the electrification of Indian Railways.

"During the oil crisis in the 60s many electrification projects were sanctioned which resulted in the establishment of the CORE of Railway Electrification as an organisation in 1961 with the objective of electrifying the tracks of Indian Railways. Initially located in Kolkata the unit was called Project Office for Railway Electrification (PORE), the office of Central Organisation for Railway Electrification was set up in Allahabad in the year 1979 to take control of these projects. As more and more projects were sanctioned, new project offices were also set up. With the rapid electrification of Indian Railways in the 46 years since its inception, the CORE has

played a pivotal role in this endeavour and has executed electrification work of a total of 48,029 route kilometres, representing 76% of the total electrification work. In the last 10 years, the CORE has shown unprecedented pace in electrification and has contributed significantly to the development of Indian Railways by single-handedly completing electrification work of 26,441 route kilometres.

To commemorate this centenary year the CORE of Railway Electrification, Prayagraj is undertaking various projects, is organizing the program. The program was inaugurated by Shri Sanjay Kumar Srivastava, General Manager / Core on 03 February 2025. This program was organized with great enthusiasm at the CORE Headquarters. As a symbol of celebration of 100 years of rail electric traction, colorful balloons were released in the sky, plants were distributed with the message of environmental protection, attractive and colorful rangoli was made, which depicted the historical journey of rail electric traction, cups, diaries and jute bags with the logo of 100 years were distributed to all the officers and employees of the CORE family as a souvenir, which is a commemoration of this historic achievement. This event is being organized with the aim of marking the centenary of rail electric traction and underlining its contribution to the development of railways. In his message, the General Manager said, "Completion of 100 years of Electric Traction is a proud moment for Indian Railways and CORE. This remarkable journey has transformed rail transport. CORE has played a key role in accelerating rail electrification, which has contributed significantly towards a greener future. On this special occasion, I express my heartfelt gratitude to all the officers and staff whose dedication has made this milestone possible. Let us continue our commitment towards full electrification and energy efficiency, thereby taking Indian Railways towards a net-zero carbon future."

The ceremony was attended by the General Manager of CORE along with distinguished officers, staff members and Smt. Vandana Shrivastava, President, Rail Vidyutkaran Mahila Kalyan Sangathan (RIVO) and other RIVEO members.

आज दि० 13-2-2025

रेल विद्युतीकरणके शताब्दी वर्षपर कोर में पौधारोपण

भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय

रेल विद्युततीकरण संघटन(कोर) में बीते तीन फरवरी को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में बुधवार को संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/ कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित एसएस नेगी मुख्य विद्युत इंजीनियर (पी एंड डी), आरएन सिंह प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

सहजसत्ता, दि० 13-2-2025

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर में वृक्षारोपण का आयोजन

प्रयागराज।भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज दिनांक 03 फरवरी 2025 को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक 12.02.2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया।इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में श्री यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित श्री एस. एस. नेगी-मुख्य विद्युत इंजीनियर (ई॰), श्री आर. एन. सिंह-प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

न्यायाधीश × दि० 13-2-2025

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर कोर, में वृक्षारोपण का आयोजन

प्रयागराज। भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज दिनांक 03 फरवरी 2025 को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक 12.02.2025 को श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित श्री एस. एस. नेगी-मुख्य विद्युत इंजीनियर (ई), श्री आर. एन. सिंह-प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।

जन संदेश टाइम्स दि0-13-2-2025

संक्षेप

रेल विद्युतीकरण के शताब्दी वर्ष पर हुआ वृक्षारोपण

जनसंदेश न्यूज प्रयागराज। भारतीय रेल में इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज 03 फरवरी को उद्घाटन समारोह के पश्चात विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी क्रम में 12.फरवरी को संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक,कोर की अध्यक्षता में मुख्यालय प्रांगण में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और हरित पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस आयोजन में यतेंद्र कुमार-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सहित एस. एस. नेगी-मुख्य विद्युत इंजीनियर , आर. एन. सिंह-प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर, तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे और मिलकर परिसर में पौधे लगाए, जिससे भारतीय रेलवे की कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरियाली बढ़ाने की प्रतिबद्धता को बल मिलेगा।